

---

Shri Sarayu Ashtakam

श्रीसरयू अष्टकम्

Document Information



---

Text title : Sarayu Ashtakam

File name : sarayUaShTakam.itx

Category : devii, nadI, raama, aShTaka

Location : doc\_devii

Transliterated by : Prabhav Tengse

Proofread by : Prabhav Tengse

Latest update : February 25. 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 15, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीसरयू अष्टकम्

---



चक्रवर्तीदशरथ उवाच ।  
नमस्ते सरयू देवि वसिष्ठ तनये शुभे ।  
ब्रह्मादि सकलैर्देवैर्ऋषिभिर्नारदादिभिः ॥ १ ॥  
सदा त्वं सेविता देवि तथा सुकृतिभिर्नरैः ।  
मानसाच्च समायाते जगतां पाप हारिणि ॥ २ ॥  
स्मरतां पश्यतां देवि पापनाशे पटीयसि ।  
ये पिबन्ति जलं देवि त्वदीयं गतमत्सराः ॥ ३ ॥  
स्तनपानं न ते मातुः करिष्यन्ति कदाचन ।  
मनु प्रभृतिभिर्मान्यैमानितासि सदा शुभे ॥ ४ ॥  
त्वत्तीर मरणेनैव त्वन्नाम रटनेन च ।  
ये त्यजन्ति तनुं देवि ते कृतार्था न संशयः ॥ ५ ॥  
त्वं तु नेत्रोद्भवा देवि हरेर्नारायणस्य हि ।  
महिमा तव देवैश्च गीयते च मुहुर्मुहुः ॥ ६ ॥  
तत्र का हि मनः शक्तिः स्तवने मानुषस्य च ।  
त्वत्तीरे सर्व तीर्थानि निवसन्ति चतुर्युगे ॥ ७ ॥  
नमो देवि नमो देवि पुनरेव नमो नमः ।  
हे वासिष्ठि महाभागे प्रणतं रक्ष बन्धनात् ॥ ८ ॥  
इति श्रीसरयू अष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Prabhav Tengse

---

*Shri Sarayu Ashtakam*

pdf was typeset on July 15, 2023

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

